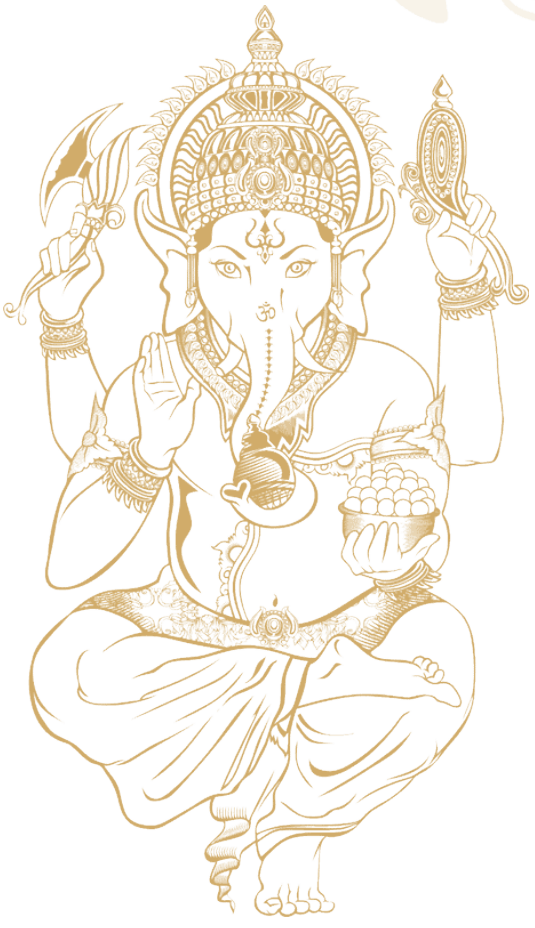

Arjun

07 Mar 1995

11:15 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121500502

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
07/03/1995	जन्म तिथि	**07/03/2026**
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 23:15:00	जन्म समय	22:19:48 घंटे
घटी 41:25:23	जन्म समय(घटी)	39:08:44 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:50	सूर्योदय	06:40:18
18:24:12	सूर्यास्त	18:24:30
23:47:34	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:29

तुला	लग्न	तुला
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	तुला
शुक्र	राशि-स्वामी	शुक्र
कृतिका	नक्षत्र	स्वाति
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	राहु
3	चरण	2
वैधृति	योग	ध्रुव
तैतिल	करण	कौलव
उ-उदय	जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
गरूड़	वर्ग	मृग
31	गत/तत्कालिक वर्ष	32

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
विशाखा	3	26:54:16	तुला		
पू०भाद्रपद	1	22:53:45	कुंभ		
कृतिका	3	04:38:48	वृष		
आश्लेषा	2	21:12:33	कर्क	व	
धनिष्ठा	1	26:39:50	मक		
ज्येष्ठा	2	20:38:51	वृश्चि		
श्रवण	1	11:52:17	मक		
पू०भाद्रपद	1	21:25:27	कुंभ		अ
स्वाति	2	12:57:07	तुला		
अश्विनी	4	12:57:07	मेष		
उत्तराषाढ़ा	3	05:18:24	मक		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			तुला	15:04:48	3	स्वाति
सूर्य			कुंभ	22:53:46	1	पू०भाद्रपद
चंद्र			तुला	12:18:56	2	स्वाति
मंगल		अ	कुंभ	09:47:57	1	शतभिषा
बुध	व	अ	कुंभ	22:24:35	1	पू०भाद्रपद
गुरु	व		मिथु	20:52:56	1	पुनर्वसु
शुक्र			मीन	07:20:03	2	उ०भाद्रपद
शनि			मीन	08:18:27	2	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	14:42:49	3	शतभिषा
केतु	व		सिंह	14:42:49	1	पू०फाल्गुनी
मु			वृष	26:54:16	2	मृगशिरा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

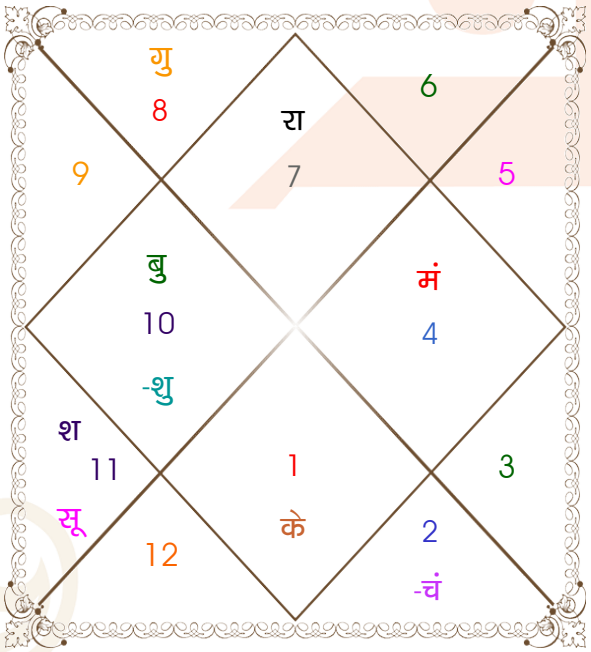

वर्ष लग्न कुंडली

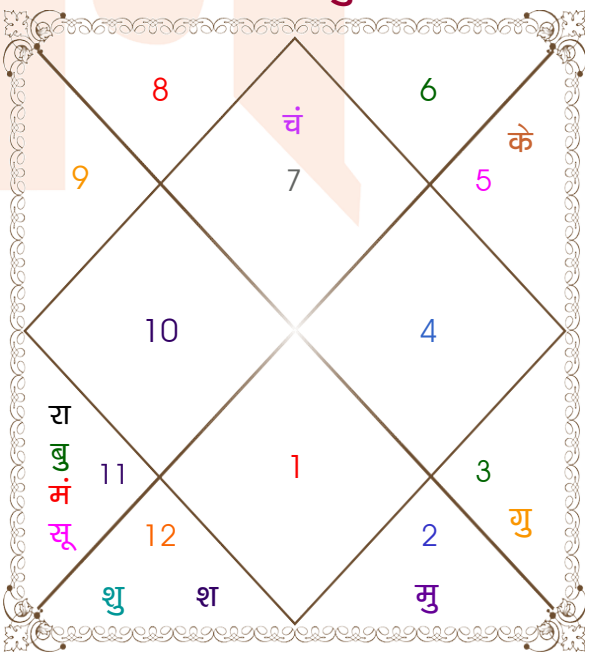

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - शुक्र	
20/02/2026 17:54	
22/08/2026 08:54	
शुक्र	23/03/2026 04:24
सूर्य	01/04/2026 07:33
चंद्र	16/04/2026 12:48
मंगल	27/04/2026 04:29
राहु	24/05/2026 13:56
गुरु	17/06/2026 22:20
शनि	16/07/2026 20:18
बुध	11/08/2026 17:14
केतु	22/08/2026 08:54

राहु - शुक्र - सूर्य	
22/08/2026 08:54	
16/10/2026 03:48	
सूर्य	25/08/2026 02:39
चंद्र	29/08/2026 16:13
मंगल	01/09/2026 20:56
राहु	10/09/2026 02:10
गुरु	17/09/2026 09:29
शनि	26/09/2026 01:40
बुध	03/10/2026 19:57
केतु	07/10/2026 00:39
शुक्र	16/10/2026 03:48

राहु - शुक्र - चंद्र	
16/10/2026 03:48	
15/01/2027 11:18	
चंद्र	23/10/2026 18:26
मंगल	29/10/2026 02:16
राहु	11/11/2026 18:59
गुरु	23/11/2026 23:11
शनि	08/12/2026 10:11
बुध	21/12/2026 08:38
केतु	26/12/2026 16:29
शुक्र	10/01/2027 21:44
सूर्य	15/01/2027 11:18

राहु - शुक्र - मंगल	
15/01/2027 11:18	
20/03/2027 09:21	
मंगल	19/01/2027 04:47
राहु	28/01/2027 18:54
गुरु	06/02/2027 07:26
शनि	16/02/2027 10:20
बुध	25/02/2027 11:39
केतु	01/03/2027 05:08
शुक्र	11/03/2027 20:49
सूर्य	15/03/2027 01:31
चंद्र	20/03/2027 09:21

राहु - शुक्र - राहु	
20/03/2027 09:21	
31/08/2027 18:03	
राहु	14/04/2027 01:04
गुरु	05/05/2027 23:01
शनि	31/05/2027 23:36
बुध	24/06/2027 06:26
केतु	03/07/2027 20:32
शुक्र	31/07/2027 05:59
सूर्य	08/08/2027 11:13
चंद्र	22/08/2027 03:57
मंगल	31/08/2027 18:03

राहु - शुक्र - गुरु	
31/08/2027 18:03	
24/01/2028 20:27	
गुरु	20/09/2027 05:34
शनि	13/10/2027 08:45
बुध	03/11/2027 01:30
केतु	11/11/2027 14:02
शुक्र	05/12/2027 22:26
सूर्य	13/12/2027 05:45
चंद्र	25/12/2027 09:57
मंगल	02/01/2028 22:30
राहु	24/01/2028 20:27

राहु - शुक्र - शनि	
24/01/2028 20:27	
16/07/2028 08:18	
शनि	21/02/2028 07:44
बुध	16/03/2028 21:37
केतु	27/03/2028 00:30
शुक्र	24/04/2028 22:29
सूर्य	03/05/2028 14:40
चंद्र	18/05/2028 01:39
मंगल	28/05/2028 04:33
राहु	23/06/2028 05:07
गुरु	16/07/2028 08:18

राहु - शुक्र - बुध	
16/07/2028 08:18	
18/12/2028 13:51	
बुध	07/08/2028 08:05
केतु	16/08/2028 09:25
शुक्र	11/09/2028 06:20
सूर्य	19/09/2028 00:37
चंद्र	01/10/2028 23:05
मंगल	11/10/2028 00:24
राहु	03/11/2028 07:14
गुरु	23/11/2028 23:59
शनि	18/12/2028 13:51

राहु - शुक्र - केतु	
18/12/2028 13:51	
20/02/2029 11:54	
केतु	22/12/2028 07:20
शुक्र	01/01/2029 23:01
सूर्य	05/01/2029 03:43
चंद्र	10/01/2029 11:33
मंगल	14/01/2029 05:02
राहु	23/01/2029 19:09
गुरु	01/02/2029 07:41
शनि	11/02/2029 10:35
बुध	20/02/2029 11:54

राहु - सूर्य - सूर्य	
20/02/2029 11:54	
08/03/2029 22:22	
सूर्य	21/02/2029 07:38
चंद्र	22/02/2029 16:30
मंगल	23/02/2029 15:31
राहु	26/02/2029 02:41
गुरु	28/02/2029 07:17
शनि	02/03/2029 21:44
बुध	05/03/2029 05:37
केतु	06/03/2029 04:38
शुक्र	08/03/2029 22:22

राहु - सूर्य - चंद्र	
08/03/2029 22:22	
05/04/2029 07:49	
चंद्र	11/03/2029 05:10
मंगल	12/03/2029 19:31
राहु	16/03/2029 22:08
गुरु	20/03/2029 13:47
शनि	24/03/2029 21:53
बुध	28/03/2029 19:02
केतु	30/03/2029 09:23
शुक्र	03/04/2029 22:57
सूर्य	05/04/2029 07:49

राहु - सूर्य - मंगल	
05/04/2029 07:49	
24/04/2029 12:02	
मंगल	06/04/2029 10:40
राहु	09/04/2029 07:42
गुरु	11/04/2029 21:04
शनि	14/04/2029 21:56
बुध	17/04/2029 15:08
केतु	18/04/2029 17:58
शुक्र	21/04/2029 22:41
सूर्य	22/04/2029 21:41
चंद्र	24/04/2029 12:02

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी।अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।